चमड़ा उद्योग टॉप गियर में 3000 करोड़ का निर्यात बढ़ेगा

लखनऊ। लंबे समय से लेदर सेक्टर को जो उम्मीद थी, वह मंगलवार को पूरी हो गई। लेदर पर 10 फीसदी आयात शुल्क खत्म कर दिया गया। वेट ब्लू और क्रस्ट लेदर पर निर्यात शुल्क 40 फीसदी से घटाकर 20 फीसदी कर दिया गया। लेदर सेक्टर में यूपी का डंका बजता है। इससे लागत में छह फीसदी कमी आएगी। चर्म निर्यात परिषद के चेयरमैन के मुताबिक 25 फीसदी निर्यात बढ़ जाएगा, जो करीब 3000 करोड़ रुपये होगा।

यूपी में कानपुर, लखनऊ और आगरा लेदर के प्रमुख क्लस्टर हैं। करीब 150 साल पुराने इस उद्योग के लिए चीन, वियतनाम, बांग्लादेश, पाकिस्तान चुनौती बने हुए हैं। इस फैसले ने घरेलू लेदर उद्योग को राहत दे दी।

सीएलई चेयरमैन आर के जालान के मुताबिक निर्यात शुल्क के मोर्चे पर वेट ब्लू और क्रस्ट लेदर पर निर्यात शुल्क 40 से घटाकर 20 फीसदी कर दिया गया है। इससे वैल्यू एडेड चर्म निर्यात में सुविधा होगी, क्योंकि वैश्विक बाजार में इसकी भारी मांग है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार भविष्य में क्रस्ट लेदर के लिए निर्यात शुल्क को 20 से घटाकर शून्य कर देगी। ऐसा करने से अगले तीन वर्ष में मूल्यवर्धित चमड़े का निर्यात एक अरब अमेरिकी डॉलर हो सकेगा। ब्यूरो

20 लाख युवाओं को कुशल बनाने के लिए पेश नई कौशल योजना इंडस्ट्री में 'स्किल मैनपावर' का संकट दूर करेगी। वहीं 7.5 लाख तक के ऋण की सुविधा के लिए मॉडल कौशल ऋण योजना को संशोधित करने से उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। महिला श्रम बल को इस सेक्टर में बढ़ावा मिलेगा। – **मुख्तारुल अमीन, सदस्य, राष्ट्रीय कौशल विकास निगम**